International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

हरियाणा लोकसभा चुनाव में मतदान के प्रवृत्ति, प्रतिरूप व सामाजिक-आर्थिक निर्धारक

उपदेश कुमारी
शोधार्थी भूगोल विभाग,
ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय, हिसार
Email ID: updeshgeo201@osgu.ac.in

डॉ. सुनील कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर भूगोल,
सामाजिक विज्ञान और मानविकी के स्कूल,
ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय, हिसार
Email ID: sunilkumargeo@osgu.ac.in

सार

इस शोध पत्र में हरियाणा के लोकसभा चुनावों में मतदान प्रवृत्ति व प्रतिरूप का अध्ययन किया गया है। अध्ययन की प्रकृति स्थानिक है जिसमें विश्लेषण की ईकाई लोकसभा क्षेत्र है। अध्ययन में हरियाणा के सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों को शामिल किया गया है तथापि 2009, 2014 व 2019 के चुनावों के प्रतिरूप का अध्ययन किया गया है। अध्ययन के लिए द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है तथा मतदान का प्रतिरूप, मतदान में लिंग अन्तराल व मतदान के समाजिक-आर्थिक निर्धारक शोध का मुख्य भाग हैं। हरियाणा में मतदान का एक स्पष्ट स्थानिक प्रतिरूप उभर कर आता है जिसे मानचित्रों के सहयोग से दर्शाया गया है। लिंग अन्तराल कि स्थानिक व सामयिक विभिन्नता को भी मानचित्र व तालिका के माध्यम से समझा जा सकता है। मतदान के मुख्य सात चयनित निर्धारकों के साथ स्पष्ट सह-सम्बन्ध प्राप्त होता है जिनमें नगरीकरण अन्य श्रमजीवियों, कुल श्रमजीवी, कृषक व अनुसूचित जाति मुख्य निर्धारक हैं।

सङ्केतशब्दः *प्रवृत्ति, प्रतिरूप, लिंग अन्तराल, कुल श्रमजीवी*

परिचय

मतदान का अध्ययन राजनीति वैज्ञानिक करते रहे हैं, इसके अतिरिक्त राजनैतिक भूगोल में भी लम्बे समय से यह परम्परा रही है। राजनीतिक भूगोल से कालान्तर में इन अध्ययनों को चुनाव भूगोल के अंतर्गत गिना जाने लगा। राजनीतिक भूगोल की उपशाखा के रूप में चुनाव भूगोल का उदय सामाजिक विज्ञानों में मात्रात्मक क्रांति के उदय के साथ-साथ हुआ क्योंकी चुनावी आंकड़े बड़ी मात्रा में विस्तृत भौगोलिक इकाइयों के अध्ययन का अवसर प्रदान करते हैं **(दीक्षित, 1995)[1]**। प्रारंभिक काल में चुनावी आंकड़ों को मानचित्र पर प्रदर्शित करना ही मुख्य उद्देश्य होता था। इसलिए प्रारंभ में इसे "मतदान के भूगोल" से जाना गया। यद्यपि मात्रात्मक क्रांति के बाद से ऐसे अध्ययन मतदान को प्रभावित करने वाले कारकों के विश्लेषण पर आधारित होने लगे तो इन्हें *"मतदान में भौगोलिक प्रभाव"* का अध्ययन कहा जाने लगा **(दीक्षित, 2001)[2]**। वर्तमान में चुनाव भूगोल राजनैतिक भूगोल की एक उपशाखा के रूप में चुनावों के विभिन्न पक्षों का अध्ययन सफलता पूर्वक कर रहा है। लोकसभा चुनावों को भारत में सामान्य चुनाव या राष्ट्रीय चुनाव भी कहा जाता है क्योंकी यह चुनाव विभिन्न चरणों में होने वाले देशव्यापी चुनाव होते हैं। भारतीय संघ के विभिन्न राज्यों की अपनी राजनीतिक पृष्ठभूमि होती है। इस आधार पर विभिन्न राजनीतिक दल इन चुनावों के चरण व प्रान्त की राजनीति के आधार पर अपनी चुनाव प्रचार रणनीति तैयार करते हैं। प्रान्तों में विभिन्न क्षेत्रीय दल भी इसको प्रभावित करते हैं। अब विभिन्न क्षेत्रीय दल केंद्र की राजनीति में अधिक रूचि लेने लगें हैं। जिससे लोकसभा चुनावों में पार्टी तंत्र परिवर्तित हो रहा है **(पाई, 1998)[3]**। देशपांडे ने राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन(एन.इ.एस.) के सर्वेक्षण आकड़ों का अध्ययन करते हुए पाया की 1990 के दशक के बाद से भारत में चुनावों में महिला मतदाताओं की प्रतिभागिता बढने के प्रमाण मिलते हैं। इसके बाद से लिंग अन्तराल में भी गिरावट देखी जा सकती है। इसी समय में महिलाओं के मुद्दों की समझ व संवेदना भी भारतीय समाज में बढ़ी है। यद्यपि महिला मतदाताओं

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

की प्रतिभागिता अभी लैंगिक आधार पर भारतीय राजनीति व राजनीतिक दलों में अलग आधार नहीं बना पाई है तथा इसमें प्रांतीय विभिन्नताएं भी हैं परन्तु यह इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत है **(देशपांडे 2004 व 2009)[4,5]**। पुरुषों की तुलना में अभी भी महिला मतदाताओं की भागीदारी कम है। इसके संभावित कारणों में महिलाओं की सामाजिकता, विवाह, मातृत्व, रोजगार, सम्पति अधिकार व कम संसाधन हो सकते हैं। इसके साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक, जनांकिकीय व लैंगिक कारक भी हैं **(भादाने, 2015)[6]** ।

शोध उद्देश्य

(i) हरियाणा में लोकसभा चुनाव 2009, 2014 तथा 2019 में मतदान प्रवृत्ति व प्रतिरूप का चुनाव क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानिक अध्ययन करना।
(ii) हरियाणा में लोकसभा चुनाव 2009, 2014 तथा 2019 में मतदान पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का स्थानिक विश्लेषण करना।
(iii) हरियाणा में लोकसभा चुनाव 2009, 2014 तथा 2019 में मतदान प्रतिरूप के लैंगिक अन्तराल का स्थानिक विश्लेषण करना।

अध्ययन क्षेत्र

हरियाणा का भौगोलिक स्थान अक्षांश 27° 39' और 30° 55 '05' उत्तर और देशांतर 74° 27' 08' और 770 36' 05' पूर्व के बीच है। यह 44,212 किमी 2 क्षेत्र, या राष्ट्र के पूरे भूमि क्षेत्र का 1.37 प्रतिशत है। 2011 की जनगणना से पता चलता है कि हरियाणा में 253 मिलियन लोग रहते हैं। 253 मिलियन लोगों की कुल आबादी में से, 153 मिलियन पुरुष हैं और 118 मिलियन महिलाएं हैं, जो जनसंख्या का 2 प्रतिशत है। भारत में सबसे कम लिंगानुपात, प्रति 1,000 पुरुषों पर 877 महिलाओं के साथ, हरियाणा में दर्ज किया गया था। हरियाणा में साक्षरता दर औसतन 76.64 प्रतिशत है। राज्य में अब 119 ब्लॉक, 74 तहसील, 44 उप-तहसील, 21 जिले, 4 डिवीजन और 57 उपखंड हैं। हरियाणा राज्य में 154 शहर और 6841 गांव हैं।

आंकड़े स्त्रोत व शोध-विधि

प्रस्तुत शोध में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है जिनके मुख्य स्त्रोत भारतीय चुनाव आयोग, चुनाव आयोग के चुनाववार सांख्यिकी प्रतिवेदन, भारतीय जनगणना, जनगणना के प्राथमिक जनगणना प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकाशित शोध हैं। अध्ययन की विश्लेषण इकाई लोकसभा क्षेत्र होगा, जिसमें हरियाणा प्रान्त की सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है। विश्लेषण के लिए विभिन्न परिगणित सारणी, आरेख व मानचित्रों का प्रयोग किया जाएगा। चरों के स्थानिक-सामयिक परिवर्तन को समझने के लिए अलग-अलग चुनावों के मानचित्रों के माध्यम से तुलनात्मक अध्ययन किया जाएगा। प्रस्तुत शोध स्थानीय संरचनात्मक उपागम तथा स्थानीय पारिस्थितिक उपागम पर आधारित होगा। विभिन्न सांख्यिकी तकनीकों में से औसत, अन्तराल व कार्ल पिअरसन के सह-सम्बन्ध का प्रयोग किया जाएगा। आवश्यक मानचित्रों के निर्माण के लिए आर्क जी.आई.एस. सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया गया है। जिससे मतदान के विभिन्न आयामों के भौगोलिक वितरण व प्रतिरूप से इसके महत्व को समझने में सहायता मिले।

शोध-क्षेत्र

हरियाणा एक प्रान्त के रूप में 1966 में अस्तित्व में आया। हरियाणा भारत का 17वां प्रान्त था। प्रारंभ में हरियाणा में 09 लोकसभा व 81 विधानसभा क्षेत्र थे। वर्तमान में हरियाणा में 10 लोकसभा क्षेत्र तथा 90 विधानसभा क्षेत्र हैं। अब तक यहाँ 14 लोकसभा व 13 विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। लोकसभा चुनावों के सन्दर्भ में हरियाणा की भौगोलिक अवस्थिति हिंदी हृदयस्थल में है। राजनीतिक वक्ता हरियाणा प्रान्त को दिल्ली का पड़ोसी राज्य होने के कारण भी एक विशेष महत्व देते हैं। यद्यपि लोकसभा में अंकों के दृष्टिकोण से हरियाणा की गिनती छोटे राज्यों में आती है। परन्तु हरियाणा का राजनीतिक महत्व इस तथ्य के आलोक में समझा जा सकता है की 10 लोकसभा सीटों के होते हुए भी इस राज्य से उप-प्रधानमंत्री व केन्द्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मतदान प्रवृत्ति

मतदान चुनावों में प्रतिभागिता को प्रदर्शित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। कुल मतदान प्रतिशत ही किसी भी लोकतांत्रिक चुनाव का वास्तविक द्योतक होता है क्योंकी यही वास्तव में बताता है कि उक्त चुनाव से चयनित प्रतिनिधि कितने नागरिकों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हरियाणा के अस्तित्व में आने के बाद से 2019 के लोकसभा चुनाव तक निम्न आरेख से हम मतदान प्रवृत्ति को समझने का प्रयास करेंगे । उपरोक्त 14 लोकसभा चुनावों के मतदान से स्पष्ट होता है की हरियाणा में महिला मतदान की तुलना में पुरुष मतदान अधिक रहा है। उपरोक्त वर्षों में सर्वाधिक मतदान 1977 के चुनाव में 73.26 रहा तथा इसी चुनाव में पुरुष व महिला मतदान भी क्रमशः 75.81 व 70.39 सर्वाधिक रहा। न्यूनतम मतदान 1999 के चुनाव में 63.68 प्रतिशत रहा, इसी चुनाव में महिलाओं का भी न्यूनतम मतदान 58.27 प्रतिशत रहा जबकी पुरुष मतदान में न्यूनतम मतदान 1971 के लोकसभा चुनाव में 67.78 रहा। इस अवधि में औसत लिंग अन्तराल 6.07 प्रतिशत रहा तथा न्यूनतम लिंग अन्तराल 2019 के चुनाव में अंकित किया गया है। चुनाववार लिंग अन्तराल को निम्न सारणी से समझ सकते हैं ।

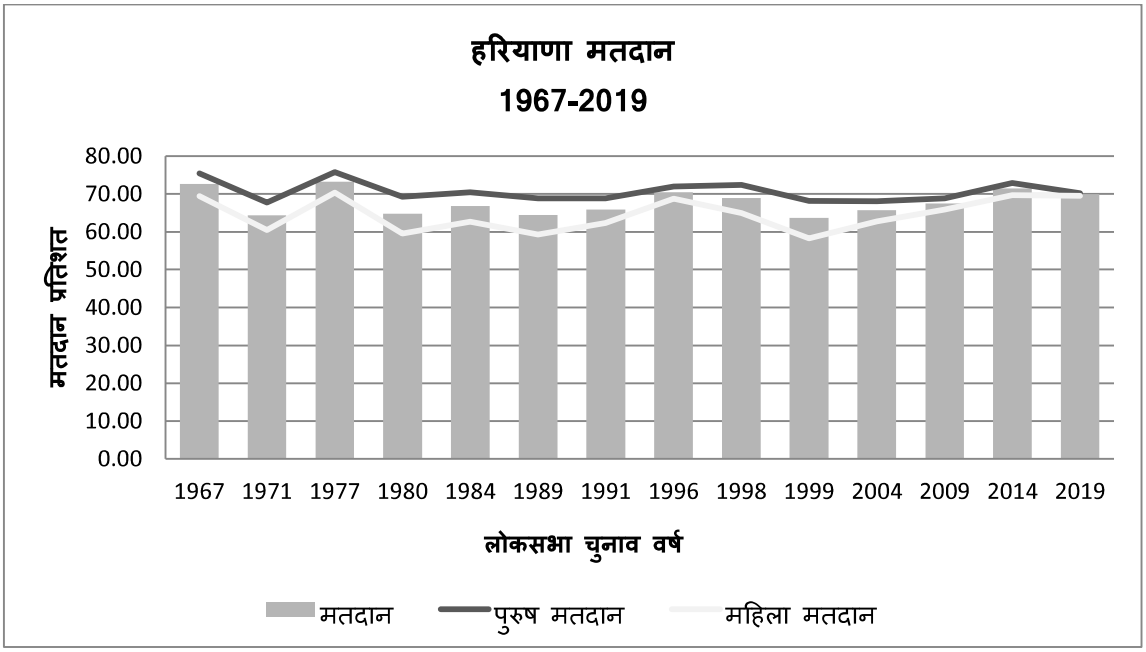

आरेख 1

लोकसभा चुनाव	लिंग अन्तराल (प्रतिशत)	लोकसभा चुनाव	लिंग अन्तराल (प्रतिशत)
1967	5.97	1996	3.2
1971	7.3	1998	7.45
1977	5.42	1999	9.94
1980	9.67	2004	5.31
1984	7.78	2009	2.98
1989	9.61	2014	3.17
1991	6.5	2019	0.72

सारणी 1

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रस्तुत शोध 2009, 2014 व 2019 के चुनावों पर आधारित है क्योंकी 2008 के परिसीमन के बाद उपरोक्त तीन लोकसभा चुनाव ही हुए हैं। ऐसे में उपरोक्त तीनों चुनावों में लोकसभा क्षेत्रों की भौगोलिक समानता बनी रहेगी तथा तुलना संभव हो पाएगी।

लोकसभा क्षेत्रवार मतदान प्रतिरूप

हरियाणा में दस लोकसभा क्षेत्र हैं। जिनमें से आठ सामान्य व अंबाला तथा सिरसा दो आरक्षित क्षेत्र हैं। सभी लोकसभा क्षेत्रों के नाम निम्न तालिका में हैं ।

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र
1	अंबाला	6	सोनीपत
2	करुक्षेत्र	7	रोहतक
3	सिरसा	8	भिवानी-महेंद्रगढ़
4	हिसार	9	गुड़गांव
5	करनाल	10	फरीदाबाद

सारणी 2

यदि चुनाववार मतदान का अध्ययन किया जाए तो 2009 के लोकसभा चुनाव में कुरुक्षेत्र लोकसभा में अधिकतम तथा फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में न्यूनतम मतदान हुआ। इसी प्रकार 2014 व 2019 के चुनाव में अधिकतम मतदान सिरसा लोकसभा क्षेत्र में तथा न्यूनतम फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में रहा। मतदान प्रतिरूप को दर्शाने के लिए मानचित्रों को तीन मतदान श्रेणियों में विभाजित किया गया है। प्रथम श्रेणी जो 67 प्रतिशत व इससे कम मतदान को दर्शाती है; इसे निम्न मतदान श्रेणी में रखा गया है। दूसरी 67 प्रतिशत से अधिक व 72 प्रतिशत तक के मतदान को दर्शाती है; इसे मध्यम मतदान श्रेणी में रखा गया है। तीसरी 72 प्रतिशत से अधिक मतदान को दर्शाती है। इसे उच्च मतदान श्रेणी में रखा गया है।

मानचित्रों से स्पष्ट होता है की 2009 के चुनाव में कुरुक्षेत्र, सिरसा व भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र उच्च मतदान श्रेणी में रहे। अंबाला व हिसार मध्यम मतदान श्रेणी में तथा करनाल, सोनीपत, रोहतक, गुड़गांव तथा फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र निम्न मतदान श्रेणी में रहे (मानचित्र-1)। 2014 के लोकसभा चुनावों में अंबाला, कुरुक्षेत्र, सिरसा, हिसार व गुड़गांव उच्च मतदान वाले लोकसभा क्षेत्र रहे। करनाल, सोनीपत, रोहतक, भिवानी-महेंद्रगढ़ मध्यम श्रेणी में तथा फरीदाबाद निम्न श्रेणी में रहा।(मानचित्र-2) इसी प्रकार 2019 में कुरुक्षेत्र, सिरसा व हिसार उच्च श्रेणी में मतदान करने वाले लोकसभा क्षेत्र रहे। मध्यम श्रेणी में अंबाला, करनाल, सोनीपत, रोहतक, भिवानी-महेंद्रगढ़ व गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र रहे तथा फरीदाबाद लगातार तीसरे चुनाव में भी न्यूनतम मतदान करने वाला लोकसभा क्षेत्र रहा। उपरोक्त मतदान प्रतिरूप को निम्न तीनों मानचित्रों से और भी आसानी से समझा जा सकता है (मानचित्र-3)। इस प्रकार यदि तीनों चुनावों का औसत मतदान को लोकसभा क्षेत्रवार मानचित्रित किया जाए तो मतदान का स्पष्ट प्रतिरूप उभरकर सामने आता है (मानचित्र-4)। जिसके अनुसार कुरुक्षेत्र, सिरसा व हिसार उच्च मतदान श्रेणी में; अंबाला, करनाल, सोनीपत, रोहतक व भिवानी-महेंद्रगढ़ मध्यम श्रेणी में तथा गुड़गांव व फरीदाबाद निम्न मतदान श्रेणी में आने वाले लोकसभा क्षेत्र हैं।

यदि भौगोलिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि पश्चिमी-उत्तरी हरियाणा उच्च मतदान क्षेत्र है। उत्तरी, उत्तर-पूर्वी व दक्षिणी हरियाणा मध्यम मतदान का क्षेत्र है तथा दक्षिणी-पूर्वी हरियाणा निम्न मतदान क्षेत्र है। प्रतिरूप स्वरुप उभरी यह मतदान पेटियां न सिर्फ तीनों चुनाव के औसत मतदान के प्रतिरूप को दर्शाती हैं जबकि साथ-साथ उक्त क्षेत्रों की राजनितिक प्रतिभागिता के भूगोल को भी समक्ष रखती हैं। मतदान के इस प्रतिरूप से विभिन्न राजनितिक दलों के भूगोल को भी समझने का प्रयास किया जा सकता है यद्यपि यह इस शोध पत्र का विषय नहीं है परन्तु भावी शोध की संभावनाओं को इंगित करता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मानचित्र 1

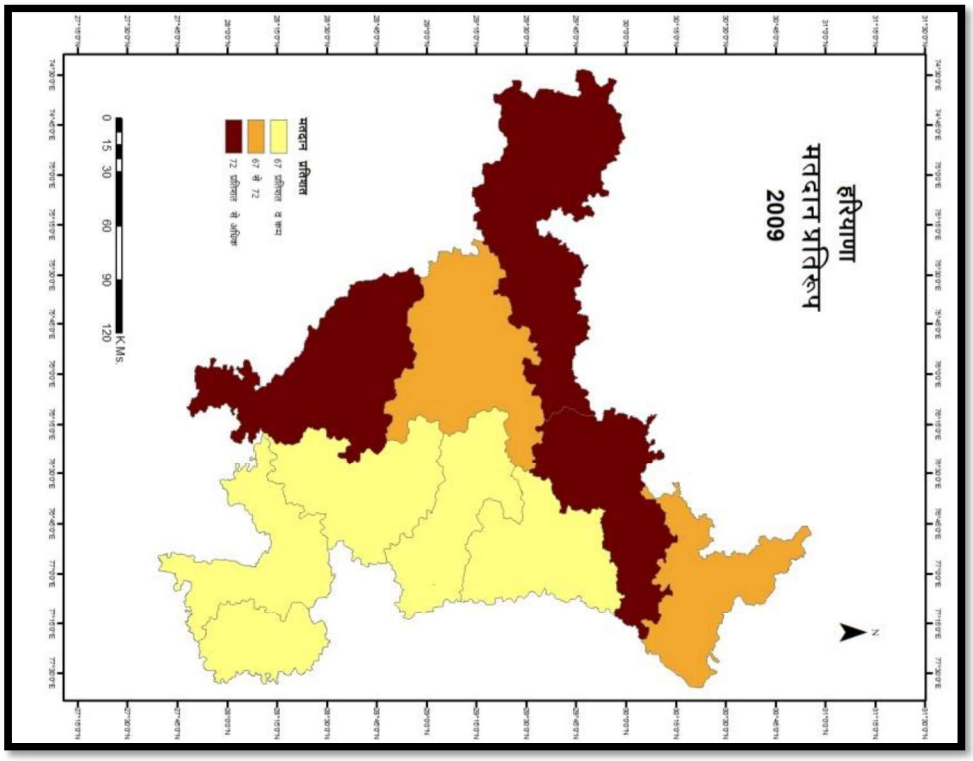

मानचित्र 2

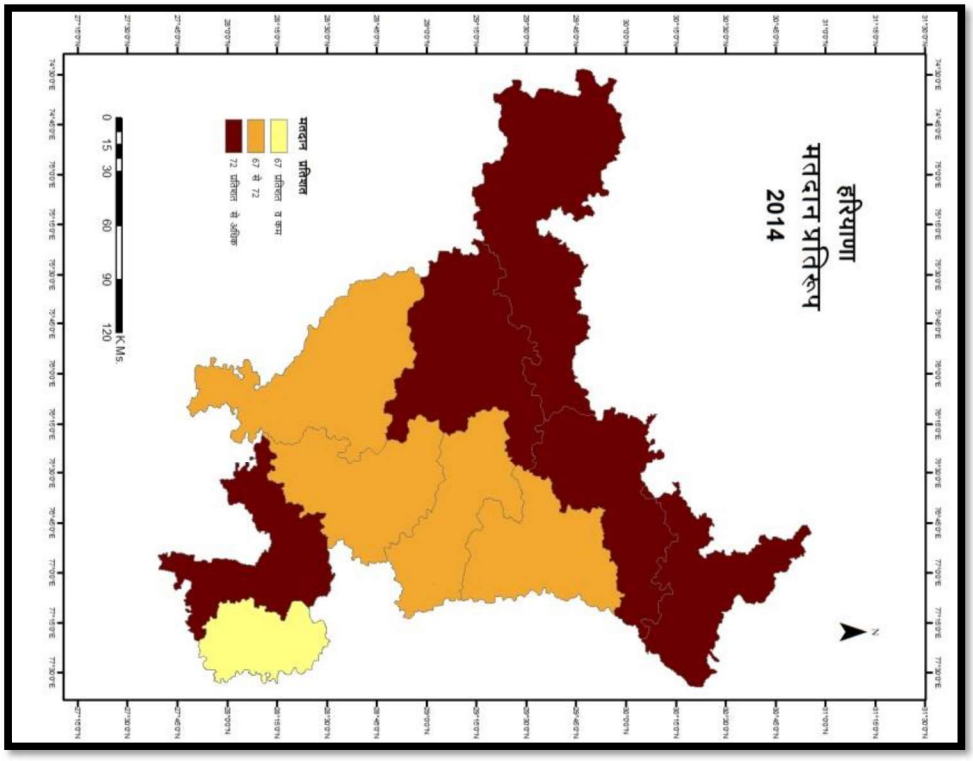

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

मानचित्र 3

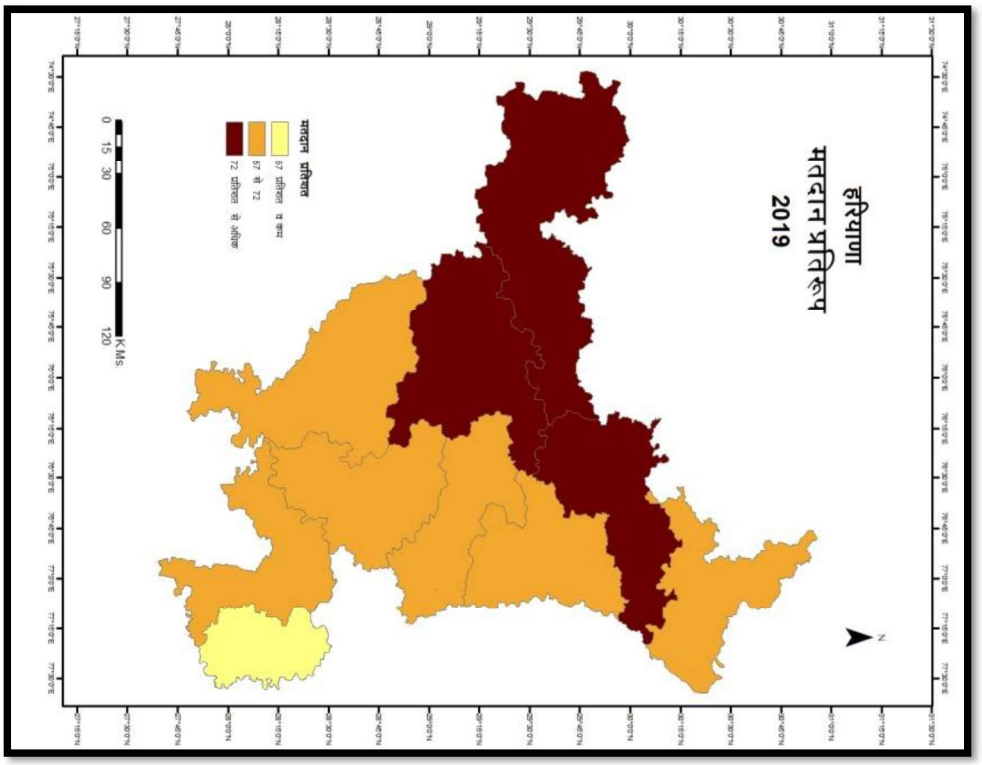

मानचित्र 4

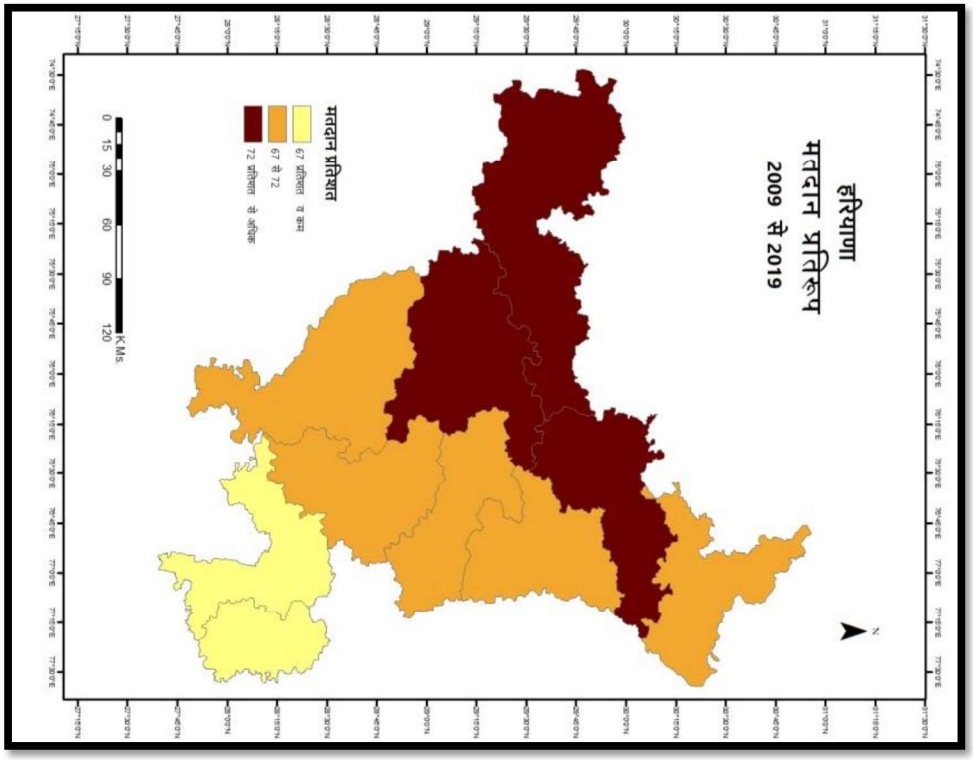

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

लिंग अन्तराल

मतदान में लिंग अन्तराल एक महत्वपूर्ण कारक है। जो महिला सहभागिता का द्योतक है। प्रस्तुत अध्ययन में लिंग अन्तराल को निर्वाचक लिंगानुपात व मतदाता लिंगानुपात (महिला संख्या प्रति हजार पुरुष) के बीच अंतर के रूप में प्रदर्शित किया गया है। जो हरियाणा में 2009 के चुनाव में 41, लोकसभा चुनाव 2014 में 40 तथा 2019 के चुनाव में 17 रहा। अत: कहा जा सकता है की 2009 व 2014 के चुनाव में यह लगभग समान रहा। जबकी 2019 में इसमें बड़ी गिरावट दर्ज हुई, जो महिला मतदाताओं की प्रतिभागिता की द्योतक है। इसके अतिरिक्त लोकसभा क्षेत्रवार भौगोलिक प्रतिरूप को निम्न सारणी व मानचित्र से समझा जा सकता है ।

क्रमांक	लोकसभा क्षेत्र	लिंग अन्तराल 2009	लिंग अन्तराल 2014	लिंग अन्तराल 2019
1	अंबाला	30	36	20
2	करुक्षेत्र	14	21	8
3	सिरसा	16	28	12
4	हिसार	22	27	16
5	करनाल	55	56	35
6	सोनीपत	49	36	8
7	रोहतक	54	47	20
8	भिवानी-महेंद्रगढ़	7	28	-1
9	गुड़गांव	75	62	26
10	फरीदाबाद	94	60	30

सारणी 2

लोकसभा चुनाव 2009

लोकसभा चुनाव 2009 में औसत लिंग अन्तराल 41.6 रहा, जो की तीनों चुनावों में सर्वाधिक है। इन चुनावों में न्यूनतम लिंग अन्तराल भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र में 7 रहा तथा अधिकतम फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में 94 रहा। कुल दस में से पांच लोकसभा क्षेत्रों में लिंग अन्तराल औसत से अधिक रहा जिनमें फरीदाबाद, गुड़गांव , रोहतक,सोनीपत तथा करनाल लोकसभा क्षेत्र सम्मिलित हैं।

लोकसभा चुनाव 2014

इन चुनावों में औसत लिंग अन्तराल 40.1 रहा, जो 2009 के मुकाबले थोडा निम्न है। इस बार न्यूनतम लिंग अन्तराल कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में 21 तथा अधिकतम गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र में 62 रहा। इस बार औसत से अधिक चार लोकसभा क्षेत्रों में लिंग अन्तराल रहा जिनमें गुड़गांव , फरीदाबाद, रोहतक तथा करनाल आते हैं।

लोकसभा चुनाव 2019

लोकसभा चुनाव 2019 में लिंग अन्तराल में भारी गिरावट देखने को मिली व इन चुनावों का औसत लिंग अन्तराल 17 दर्ज किया गया। इस तथ्य को दो रूपों में देखा जा सकता है, प्रथम 2014 के चुनाव की तुलना में 2019 के चुनाव में महिलाओं ने अधिक मतदान किया। दूसरा 2014 के चुनाव के मुकाबले 2019 के चुनाव में पुरुषों ने कम मतदान किया क्योंकी कुल मतदान में 2014 के मुकाबले 2019 में 1.47 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। 2019 के चुनावों में न्यूनतम लिंग अन्तराल भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र में -1 दर्ज किया गया। जबकी अधिकतम लिंग अन्तराल करनाल लोकसभा क्षेत्र में 35 रहा। औसत से अधिक मतदान अंबाला, करनाल, रोहतक, गुड़गांव व फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्रों में रहा।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

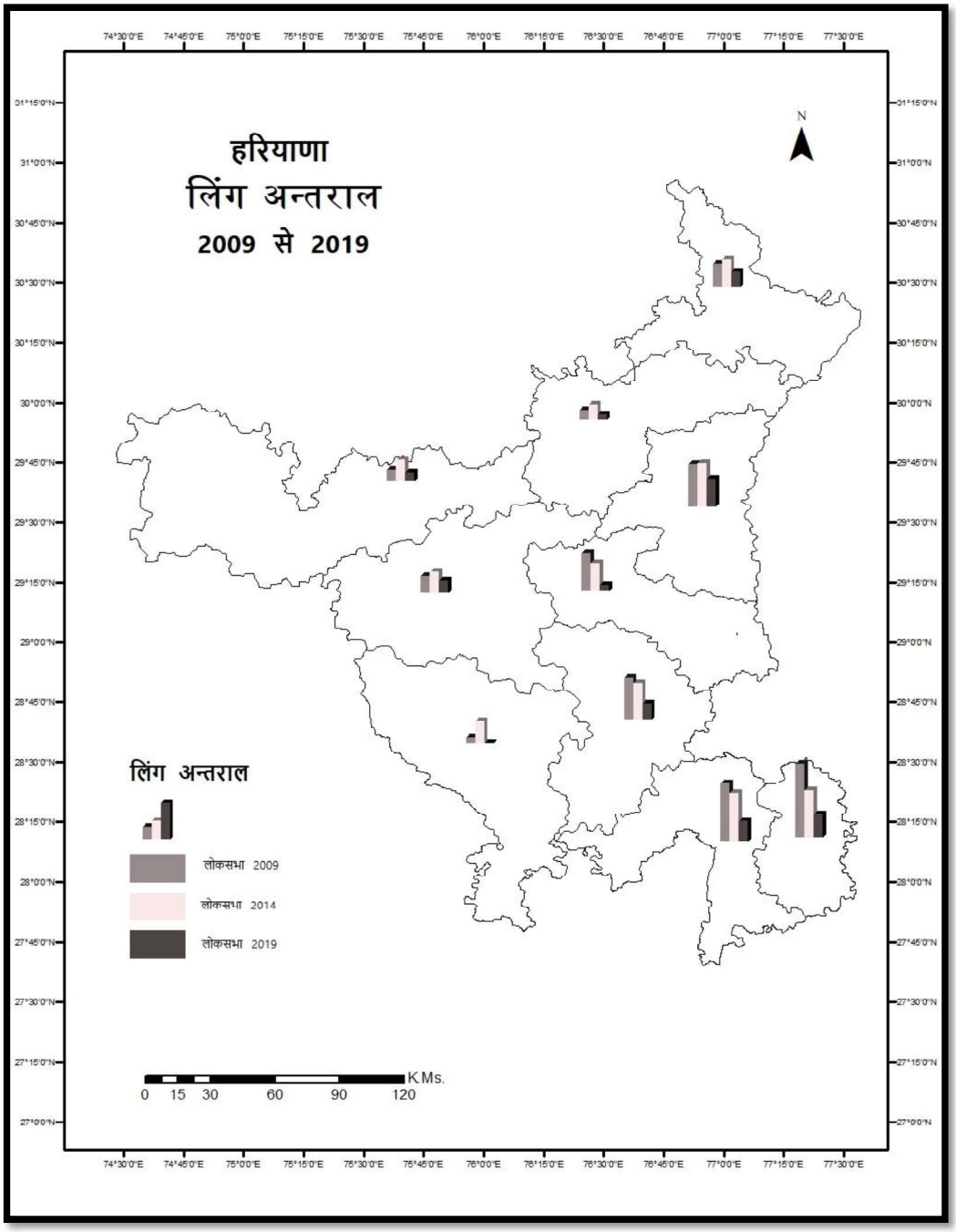

मानचित्र 5

लोकसभा चुनाव 2019 में लिंग अन्तराल में भारी गिरावट देखने को मिली व इन चुनावों का औसत लिंग अन्तराल 17 दर्ज किया गया। इस तथ्य को दो रूपों में देखा जा सकता है, प्रथम 2014 के चुनाव की तुलना में 2019 के चुनाव में महिलाओं ने अधिक मतदान किया। दूसरा 2014 के चुनाव के मुकाबले 2019 के चुनाव में पुरुषों ने कम मतदान किया क्योंकी कुल मतदान में 2014 के मुकाबले 2019 में 1.47 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। 2019 के चुनावों में न्यूनतम लिंग अन्तराल

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र में -1 दर्ज किया गया। जबकी अधिकतम लिंग अन्तराल करनाल लोकसभा क्षेत्र में 35 रहा। औसत से अधिक मतदान अंबाला, करनाल, रोहतक, गुड़गांव व फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्रों में रहा।

मतदान के सामाजिक-आर्थिक निर्धारक

मतदान पर सामाजिक आर्थिक प्रभाव के अध्ययन के लिए प्रस्तुत शोध में मुख्य सात मतदान निर्धारकों का चयन स्वतंत्र चरों किया गया। इनमें प्रभावी साक्षरता दर, लिंगानुपात, नगरीय जनसँख्या, अनुसूचित जाति जनसँख्या, श्रमजीवी जनसँख्या, कृषि कार्यों में संलग्न श्रमजीवी, कृषि व लघू उद्योगों से इतर अन्य श्रमजीवी चरों से कार्ल पिअरसन का सह-सम्बन्ध निकाला गया जिससे स्पष्ट होता है की नगरीय जनसँख्या, साक्षरता व अन्य कार्यों में कार्यरत जनसँख्या के साथ नकारात्मक सह-सम्बन्ध है जबकी लिंगानुपात,कुल श्रमजीवी, कृषक व अनुसूचित जाति के साथ सकारात्मक सह-सम्बन्ध है।

क्रमांक	मुख्य चर	लोकसभा चुनाव 2009	लोकसभा चुनाव 2014	लोकसभा चुनाव 2019
1	नगरीकरण	-0.84	-0.60	-0.80
2	लिंगानुपात	0.57	0.44	0.39
3	साक्षरता	-0.39	-0.73	-0.44
4	कुल श्रमजीवी	0.70	0.65	0.74
5	*कृषक	0.76	0.62	0.76
6	*अन्य श्रमजीवी	-0.75	-0.59	-0.75
7	अनुसूचित जाति	0.80	0.66	0.85

सारणी 3

लोकसभा चुनाव 2009

उपरोक्त सात मतदान निर्धारकों में से 2009 के लोकसभा चुनाव में नगरीय जनसँख्या (-0.84) तथा अन्य श्रमजीवी (-0.75) के साथ उच्च सकारात्मक सह-सम्बन्ध पाया गया अर्थात 2009 के चुनाव में उपरोक्त दोनों की संख्या जिस भी लोकसभा क्षेत्र में अधिक थी वहां-वहां मतदान कम हुआ है। अन्य शब्दों में कहें तो उपरोक्त दोनों चर मतदान में नकारात्मक वृद्धि के निर्धारक हैं, जिनके बढ़ने पर मतदान कम होता है तथा घटने पर ठीक इसके विपरीत मतदान बढ़ता है। इन दो के अतिरिक्त साक्षरता (-0.39) के साथ भी नकारात्मक सह-सम्बन्ध है परन्तु यह निम्न मान को दर्शाता है तथा अर्थपूर्ण नहीं है की जिसके आधार पर ठोस परिणाम निकले जा सकें। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति (0.80) व कृषक (0.76) के साथ उच्च सकारात्मक सह-सम्बन्ध रहा है अर्थात् इन चरों की उपस्थिति उपरोक्त चुनावों में मतदान को बढ़ाने वाली रही है तथा ये मतदान में बढ़ोतरी के उच्च निर्धारक रहे हैं। कुल श्रमजीवी (0.70) व लिंगानुपात (0.57) भी मतदान के सकारात्मक निर्धारक हैं यद्यपि इनके सह-सम्बन्ध का मान उच्च श्रेणी में न आकर मध्यम व निम्न मध्यम श्रेणी में आता है। अत: परिणामों से स्पष्ट होता है की 2009 के लोकसभा चुनावों में सभी सात चर मतदान के निर्धारक रहे हैं। यद्यपि इनमें से नगरीकरण, अनुसूचित जाति, कृषक व अन्य श्रमजीवी मुख्य व उच्च स्तर के निर्धारक रहे हैं।

लोकसभा चुनाव 2014

लोकसभा चुनाव 2014 में भी नगरीकरण (-0.60), साक्षरता (-0.73) व अन्य श्रमजीवी (-0.59) मान के साथ नकारात्मक सह-सम्बन्ध को इंगित करते हैं। इनके अतिरिक्त सभी निर्धारकों का सकारात्मक सह-संबंध रहा; जिनका मान लिंगानुपात 0.44, कुल श्रमजीवी 0.65, कृषक 0.62 तथा अनुसूचित जाति 0.66 प्राप्त हुआ।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उपरोक्त लोकसभा चुनावों में किसी भी चर का मान उच्च सकारात्मक या नकारात्मक सह-सम्बन्ध को नहीं दर्शाता; अपितु लिंगानुपात के अतिरिक्त सभी चर मध्यम स्तर का सह-सम्बन्ध दर्शाते हैं। अत: कहा जा सकता है की 2014 का लोकसभा चुनाव का सह-सम्बन्ध सकारात्मक व नकारात्मक चरों के रूप में तो 2009 के लोकसभा चुनाव का ही अनुसरण करता है। यद्यपि सभी चरों के मान व स्तर में भिन्नता अवश्य देखी जा सकती है।

लोकसभा चुनाव 2019

उपरोक्त चुनावों में भी 2009 व 2014 के चुनावों की भांति ही नगरीकरण -0.80, साक्षरता -0.44 व अन्य श्रमजीवी -0.75 के मान के साथ नकारात्मक सह-सम्बन्ध को प्रदर्शित करते हैं तथा इसी तरह लिंगानुपात 0.39, कुल श्रमजीवी 0.74, कृषक 0.76 तथा अनुसूचित जाति 0.85 मान के साथ सकारात्मक सह-सम्बन्ध को दर्शाते हैं। पुनरपि 2019 के चुनावों में नगरीकरण व अन्य श्रमजीवी उच्च नकारात्मक स्तर के सह-सम्बन्ध को दर्शाते हैं तथा कुल श्रमजीवी, कृषक व अनुसूचित जाति उच्च सकारात्मक सह-सम्बन्ध को दर्शाते हैं। लिंगानुपात सकारात्मक तथा साक्षरता नकारात्मक सह-सम्बन्ध के निम्न स्तर को प्रदर्शित करते हैं।

अत: उपरोक्त तीनों चुनावों में सभी सातों निर्धारकों के सह-सम्बन्ध की एक ही दिशा रही अर्थात तीनों ही चुनावों में नगरीकरण, साक्षरता व अन्य श्रमजीवी से नकारात्मक तथा लिंगानुपात, कुल श्रमजीवी, कृषक व अनुसूचित जाति से सकारात्मक सह-संबंध रहा। यद्यपि सभी के मान व स्तर में उत्तर-चढ़ाव देखने को अवश्य मिला। फिर भी सातों चरों को उपरोक्त विश्लेषण के बाद मतदान के मुख्य सामाजिक-आर्थिक निर्धारक कहा जा सकता है। इन निर्धारकों के अतिरिक्त कुछ अनुभाविक अध्ययनों में पाया गया की जाति, धर्म, सम्प्रदाय, भाषा, धन, चुनाव प्रचार, विचारधारा, नीतियां व मुद्दे भी मतदान के निर्धारक हैं **(ज़ाहिदा व शेख़, 2014)** ।

उपसंहार

प्रस्तुत शोध में मतदान प्रवृत्ति व प्रतिरूप, लिंग अन्तराल व मतदान के सामजिक-आर्थिक निर्धारकों का अध्ययन किया गया है।

1. हरियाणा में मतदान प्रवृत्ति प्रारंभ से ही उच्च रही है क्योंकी 1967 से 2019 तक कभी भी हरियाणा का मतदान प्रतिशत 60 से कम नही रहा। सर्वाधिक मतदान 1977 के चुनाव में 73.26 रहा तथा न्यूनतम मतदान 1999 के चुनाव में 63.68 रहा।
2. जहाँ तक पुरुष व महिला मतदान की बात है यह भी एक निरंतरता को दिखता है। जिसमें 1967 से 2019 तक पुरुष मतदान ही उच्च रहा है। यद्यपि कुछ उत्तार-चढ़ावों के साथ यह अन्तराल कम हो रहा है।
   महिला-पुरुष मतदान में 1967 से 2019 तक औसत अन्तराल 6.07 रहा। सर्वाधिक अन्तराल 1999 के लोकसभा चुनवों में 9.94 प्रतिशत था। जबकी न्यूनतम मतदान अन्तराल 2019 के लोकसभा चुनावों में 0.72 प्रतिशत रहा।
3. तीनों ही चुनावों में न्यूनतम मतदान फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में दर्ज किया गया।
4. हरियाणा के पश्चिमी व उत्तरी लोकसभा क्षेत्र सिरसा,हिसार व कुरुक्षेत्र उच्च मतदान पेटी का निर्माण करते हैं जिनकी पहचान स्पष्ट रूप से मानचित्र पर संभव है।
5. फरीदाबाद व गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र की पहचान निम्न मतदान पेटी के रूप में समक्ष आती है। यद्यपि गुड़गांव लोकसभा क्षेत्र 2014 के चुनावों में उच्च मतदान श्रेणी का हिस्सा भी रहा है।
6. इसके अतिरिक्त उत्तर में अंबाला लोकसभा क्षेत्र से दक्षिण में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र तक अंबाला, करनाल, सोनीपत, रोहतक व भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र मध्यम मतदान पेटी का निर्माण करते हैं।
7. इस प्रकार मानचित्र पर स्पष्ट तीनों पेटियों के रूप में मतदान प्रतिरूप को देखा जा सकता है।
8. प्रस्तुत शोध में लिंग अन्तराल को निर्वाचक लिंगानुपात व मतदाता लिंगानुपात (महिला संख्या प्रति हजार पुरुष) के बीच अंतर के रूप में परिभाषित किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Volume 13 Issue 06, June 2023
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 8.314 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

9. जब इसे दंड आरेख के सहयोग से हरियाणा के मानचित्र पर प्रदर्शित किया गया तो पाया गया की जिन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत उच्च रहा है वहां-वहां लिंग अन्तराल कम पाया गया है। ठीक इसी प्रतिरूप के अनुसार जहाँ-जहाँ मतदान प्रतिशत कम रहा वहां-वहां लिंग अन्तराल अधिक रहा है। जैसे अधिकतम लिंग अन्तराल फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में पाया गया तथा इसी लोकसभा क्षेत्र में न्यूनतम मतदान रहा था। यद्यपि इस प्रतिरूप की अधिक स्पष्टता के लिए सांख्यिकी विश्लेषण की आवश्यकता भी है।
10. तीनों ही चुनावों में देखा जाए तो सर्वाधिक लिंग अन्तराल 2014 के चुनावों में पाया गया तथा न्यूनतम अन्तराल 2019 के लोकसभा चुनावों में रहा।
11. मतदान के सामाजिक-आर्थिक निर्धारकों के लिए चयनित सातों ही चरों से मतदान का सह-सम्बन्ध पाया गया। जिनमें नगरीकरण, साक्षरता व अन्य श्रमजीवियों के साथ नकारात्मक सह-सम्बन्ध पाया गया। इसके अतिरिक्त लिंगानुपात, कुल श्रमजीवी, कृषक,तथा अनुसूचित जाती के साथ सकारात्मक सह-सम्बन्ध पाया गया।
12. इनमें भी नगरीकरण व अन्य श्रमजीवियों के साथ उच्च नकारात्मक तथा कुल श्रमजीवी, कृषक व अनुसूचित जाति के साथ उच्च सकारात्मक सह-सम्बन्ध है।

संदर्भ सूची

1. दीक्षित, आर. डी. (2019). राजनीतिक भूगोल: समसामयिक परिदृष्टि, पी.एच.आई. लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, सिक्स्थ एडिशन।
2. दीक्षित, आर. डी. (1995) जियोग्राफी ऑफ़ एलेक्तिओन्स दी इंडियन कॉन्टेक्स्ट, रावत पब्लिकेशन, जयपुर एंड न्यू देल्ली।
3. देशपांडे, रा. (2004). हाउ जेंडरएड वाज वीमेन पार्टिसिपेशन इन इलेक्शन 2004? इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 39, न. 59, पृष्ठ 5431-5436 ।
4. देशपांडे, रा. (2009). हाउ डीड वीमेन वोट इन लोकसभा इलेक्शनस 2009?. इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 44,न. 39, पृष्ठ 83-89 ।
5. पाई, सु. (1998). दी इंडियन पार्टी सिस्टम अंडर ट्रांसफॉर्मेशन: लोकसभा इलेक्शनस एशियन सर्वे, वॉल्यूम 38, न. 9, पृष्ठ 836-852 ।
6. भादाने, के. आर. (2015). जेंडर गैप एंड वीमेन पार्टिसिपेशन इन दी डेमोक्रेटिक प्रोसेस ऑफ़ असेंबली इलेक्शन एंड सोसिओ-डेमोग्राफिक फैक्टर्स अफ्फेक्टिंग ओं वीमेन'ज वोटिंग पैटर्न इन इंडिया. ह्यूमन राईट इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम 3, इशू 1।
7. ज़ाहिदा, अ. व शेख, यू. (2014). डीटर्मिनन्ट्स ऑफ़ वोटिंग बीहेविअर इन इंडिया: थेओरितिकल पर्सपेक्टिव, पब्लिक पालिसी एंड एडमिनिस्ट्रेशन रिसर्च, वॉल्यूम 4, न. 8, पृष्ठ 236-253 ।
8. भारतीय चुनाव आयोग सांख्यिकी प्रतिवेदन, लोकसभा चुनाव 2009 ।
9. भारतीय चुनाव आयोग सांख्यिकी प्रतिवेदन, लोकसभा चुनाव 2014 ।
10. भारतीय चुनाव आयोग सांख्यिकी प्रतिवेदन, लोकसभा चुनाव 2019 ।
11. भारतीय जनगणना 2011 ।

परिभाषाएं

कृषक* = भारतीय जनगणना से कृषि मजदूरों व कल्टीवेटरस (जोतने वाले) का योग

अन्य श्रमजीवी*= उपरोक्त कृषकों से अतिरिक्त श्रमजीवी